एनआरआई की दुविधा - रुपया या डॉलर?

लेखक - विद्या बाला (प्रमुख, एमएफ रिसर्च, फंड्सइंडिया.कॉम)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र-III (भारतीय अर्थव्यवस्था) से संबंधित है।

द हिन्दू

3 जून, 2019

"अनिवासी भारतीयों (एनआरआई, NRI) के पास निवेश के विकल्पों की अधिकता होती है और उनके लिए क्या सबसे अधिक उपयुक्त रहेगा, वे इसका भी चयन कर सकते हैं।"

हर एनआरआई व्यक्ति निश्चित रूप से इस सवाल से परेशान है कि क्या उसे भारत में निवेश करना चाहिए या नहीं? अपनी मातृभूमि के लिए भावनाएं और अपनी मातृभूमि के लिए कुछ न करने की अपराध बोध जैसी एक जटिल भावना, जो व्यक्तिगत विकल्पों के साथ जुड़ी होती है, अक्सर उपर्युक्त सवाल का गलत जवाब ही प्रदान करती है।

तो क्या है सौदा?

एनआरआई आम तौर पर तीन व्यापक श्रेणियों में आते हैं: पहला, जो किसी काम से विदेश में हैं और वापस आ जाएंगे।

दूसरा, जो विदेश में बसे हैं और उनकी वापस आने की योजना नहीं है। तीसरा, जो विदेश में हैं, उनके पास वापस आने की कोई तात्कालिक योजना नहीं है, लेकिन कुछ कारणों से वे वापस आने का फैसला ले सकते हैं। यहाँ ध्यान देने वाली बात यह है कि यह अंतिम श्रेणी ही सबसे बड़ी समस्या है और दुर्भाग्य से इसकी संख्या सबसे अधिक है।

लौटने की योजना

अनिवासी भारतीयों की इस श्रेणी में या तो भारत में उनके परिवार हैं या उनकी परिवार के साथ भारत लौटने की योजना है, आय और व्यय रुपये में हैं और नियमित रूप से भारत में धन भेजते हैं।

इन अनिवासी भारतीयों के लिए, अपने देश में अपने लक्ष्यों और उद्देश्यों के लिए निवेश करना तर्कसंगत है। हालाँकि, मुझे (लेखक) उनकी निम्नलिखित आदतों से परेशानी है:

सबसे पहला, जब वे मुद्रा रूपांतरण पर ध्यान देते हैं, तब वे शिक्षा, शादी या सेवानिवृत्ति जैसी आकांक्षाओं के लिए अलगाव के मानसिक लेखांकन करने में विफल रहते हैं। उदाहरण के लिए, कई प्रवासी भारतीय अपने बच्चे को विदेश में ही शिक्षा देना जारी रखते हैं। एक उचित लक्ष्य-नियोजन अभ्यास उन्हें यह तय करने में मदद करेगा कि कहाँ निवेश करना है।

दूसरा, अचल संपत्ति के लिए उनका जुनून। पिछले कुछ वर्षों में यह क्रेज आंशिक रूप से कम हुआ है क्योंकि रियल एस्टेट सेक्टर नीचे था और रेंटल पैदावार 2.5% से भी नीचे चली गई और एनआरआई भी अपनी संपत्तियों के लिए किरायेदारों को खोजने के लिए संघर्ष करते रहे।

तीसरा, कुछ एनआरआई जिन्होंने अपने जेब्बान भर में केवल एनआरई जमा पर ध्यान दिया है, रिटायर होने के बाद भारत वापस आते हैं और फिर, पूरी तरह से पीएमएस, एआईएफएस इक्विटी फंड या स्टॉक जैसे उच्च जोखिम वाले उत्पादों की तरफ स्थानांतरित हो जाते हैं।भारतीय निवासी बन जाने के बाद वे एनआरई डिपॉजिट पर टैक्स-फ्री की स्थिति खो देते हैं जिसके बाद वे ऐसा करते है।

यहाँ, पश्चिम से आने वाले लोगों के विपरीत खाड़ी से अनिवासी भारतीयों के बारे में विशेष उल्लेख किया जाना चाहिए। भारत में (NRE डिपॉजिट) या खाड़ी देशों में जीवन भर बहुत कम या कोई टैक्स नहीं देने के कारण, उनका एकमात्र लक्ष्य वहाँ निवेश करने पर अधिक केंद्रित होता है जहाँ कर कम लगता है। लेकिन अचानक जोखिम उठाना, विशेष रूप से, सेवानिवृत्ति के बाद, उन्हें मुसीबत में डाल सकता है, वो भी तब जब उनके पास आय के अन्य स्रोत मौजूद नहीं होते हैं।

विदेश में बस जाना

ये एनआरआई स्थायी रूप से विदेश में कार्यरत हैं (जैसे U.S./Canada/U.K./Australia) और अपने परिवारों के साथ वहाँ बस गए तथा उनकी भारत वापस आने की कोई योजना नहीं है। इस मामले में, आमतौर पर, इसकी संभावना बहुत है कि भारत में उनके

वृद्ध माता-पिता या भाई-बहन रह रहे हों। इसके अलावा, स्थानीय स्तर पर उनकी बहुत कम हिस्सेदारी है। उनके प्रमुख लक्ष्य - चाहे घर खरीदना हो या अपने बच्चों को शिक्षित करना हो - सभी उनके निवास करने वाले देश में ही होते है।

अब सवाल उठता है कि भारत में निवेश करने की उनकी प्रेरणा क्या है? यदि वह अपने माता-पिता या रिश्तेदारों के लिए कुछ आय प्रदान करना चाहते हैं, तो एनआरई जमा में निवेश करना, एक एनआरई खाता होना और किसी को स्थानीय स्तर पर अपनी जरूरत के लिए पैसे निकालने के लिए पावर ऑफ अटॉर्नी (पीए) प्रदान करना एक सरल और प्रभावी तरीका हो सकता है। चूंकि एनआरई जमा और बचत खाते कर मुक्त होते हैं, इसलिए यह एक कराधान के दृष्टिकोण से आसान है।

यदि स्थानीय जरूरतों को पूरा करने के लिए एनआरआई का इरादा स्थानीय स्तर पर पैसा रखना है, तो इसे हर हाल में पूरा करना होगा।

संपत्ति या अन्य संपत्तियों में निवेश करना और बाद में इसे वापस करने और रुपये के मूल्यह्रास पर खोने की परेशानी से सभी बचते हैं। भारतीय बाजारों में भाग लेने के लिए हमें इसे जानना चाहिए:

MSCI इंडिया इंडेक्स ने पिछले 10 वर्षों में रुपए के रूप में 9.5% प्रदान किया लेकिन डॉलर के रूप में केवल 5.4% वापस आ गया। भारतीय बाजार तभी बेहतर होंगे, जब एनआरआई भारत में धन का उपयोग करने की योजना बनाते हैं। यदि इरादा न हो तो भारतीय वित्त और करों को सरल रखना सबसे अच्छा है।

'शायद' श्रेणी

मैं (लेखक) उन्हें यह बताना चाहता हूं: यदि आपके पास भारत में वापस आने के लिए स्पष्ट विचार या इच्छा नहीं है, तो शायद आपका आगे भी ऐसा विचार नहीं होगा। यदि आपके पास वापस आने की कोई ठोस योजना नहीं है, तो भारत में निवेश करें।

निवेशकों की इस श्रेणी को यह मानकर निवेश करना चाहिए कि वे विदेश में बसे हैं। वे यू.एस. में नहीं होने पर भी निवेश करने के लिए डॉलर-मूल्य वाले विकल्पों को देख सकते हैं। कृपया याद रखें, डॉलर के मुकाबले रुपये का दीर्घकालिक मूल्यह्रास सालाना 4-5% है। यहाँ तक कि अगर वे अंततः वापस आने का फैसला करते हैं, तो भी वे रुपये के बजाय डॉलर पर ध्यान देकर 4-5% कमा सकते है।

GS World टीम...

प्रवासी भारतीय दिवस

संदर्भ

- इस वर्ष प्रवासी भारतीय दिवस के 15वें संस्करण का आयोजन 21 जनवरी, 2019 को उत्तर प्रदेश के वाराणसी में किया गया।
- प्रवासी भारतीय दिवस समारोह का आयोजन वाराणसी में 21 से 23 जनवरी तक हुआ।
- पहली बार वाराणसी में तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन किया गया।

मुख्य अतिथि

- मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के 15वें संस्करण के मुख्य अतिथि थे।
- नॉर्वे के सांसद हिमांशु गुलाठी विशिष्ठ अतिथि और न्यूजीलैण्ड के सांसद कंवलजीत सिंह बक्शी सम्मानित अतिथि थे।

उद्देश्य और विषय

- प्रवासी भारतीय दिवस का मकसद भारत के विकास में प्रवासी भारतीयों के योगदान को पहचान दिलाने से है।
- प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेसलन 2019 का विषय है- नये भारत के निर्माण में भारतीय प्रवासियों की भूमिका।
- अप्रवासी भारतीयों की भारत के प्रति सोच, भावना की अभिव्यक्ति, देशवासियों के साथ सकारात्मक बातचीत के लिए एक मंच उपलब्ध कराना।
- विश्व के सभी देशों में अप्रवासी भारतीयों का नेटवर्क बनाना।
- युवा पीढ़ी को अप्रवासियों से जोड़ना।
- विदेशों में रह रहे भारतीय श्रमजीवियों की कठिनाईयाँ जानना तथा उन्हें दूर करने की कोशशि करना।
- भारत के प्रति अनिवासियों को आकर्षित करना।
- निवेश के अवसर को बढ़ाना।
- प्रवासी भारतीयों को सम्मानित करना।
- इस सम्मेलन में विदेश में रह रहे उन भारतीयों को आमंत्रित कर सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में विशेष उपलब्धि हासिल कर भारत का नाम विश्व पटल पर गौरवान्वित किया हो।
- देश का नाम रौशन करने वाले ऐसे लोगों को राष्ट्रपति के हाथों प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा जाता है।

- इसके अलावा इस सम्मेलन में प्रवासी भारतीयों से जुड़े मामलों और समस्याओं पर भी विचार किया जाता है।

क्या है प्रवासी भारतीय दिवस?

- प्रवासी दिवस की शुरुआत वर्ष 2003 से हुई थी।
- इस मौके पर हर साल भारत सरकार अमूमन तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन करती है। पूर्व भारतीय प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रवासी भारतीय दिवस मनाने का निर्णय लिया था।
- पहले प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन 9 जनवरी, 2003 को नई दिल्ली में हुआ था।
- प्रवासी भारतीय दिवस के आयोजन के लिए 9 जनवरी का दिन इसलिए चुना गया था क्योंकि वर्ष 1915 में इसी दिन महात्मा गांधी दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस आये थे।
- यह आयोजन विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय को सरकार के साथ काम करने और अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने का मंच उपलब्ध कराता है।
- सम्मेलन के दौरान भारत और विदेश दोनों में विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले चुने गये भारतीय प्रवासियों को प्रवासी भारतीय सम्मान प्रदान किये जाते हैं।

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. अनिवासी भारतीय (NRI) के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-

1. केवल विकसित देशों में कार्य करने या रहने वाले भारतीय को ही अनिवासी भारतीय कहा जाता है।
2. अनिवासी भारतीय को भारत का नागरिक बनने के लिए कम से कम 2 वर्ष भारत में निवास करना पड़ता है।
3. अनिवासी भारतीय एक समय में भारत और अन्य देशों की नागरिकता हासिल नहीं कर सकते हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य नहीं है/हैं?

(a) केवल 1
(b) 1 और 3
(c) केवल 2
(d) उपर्युक्त सभी

Q. Consider the following statements regarding NRI-

1. Only the Indians working or living in developed countries are called NRIs.
2. Non resident Indian has to stay in India for at least 2 years to become a citizen of India.
3. Non-resident Indians can not acquire citizenship of India and other countries at the same time.

Which of the statement above is/are incorrect?

(a) only 1
(b) 1 and 3
(c) Only 2
(d) All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न:- भारत के विकास में अनिवासी भारतीयों का क्या योगदान रहा है? भारत के प्रति अनिवासी भारतीयों के लगाव को बढ़ाने के लिए भारतीय सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए जाने चाहिए? चर्चा कीजिए। (250 शब्द)

Q. What is the contribution of Non-Resident Indians in the development of India? What steps should be taken by the Indian government to increase the interest of Non-Resident Indians to India? Discuss. (250Words)

नोट : 1 जून को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(d) होगा।